

M.P. HIGHER JUDICIAL SERVICE MAIN EXAMINATION – 2018

अनुक्रमांक/Roll No.

--	--	--	--

Total No. of Questions : 12
कुल प्रश्नों की संख्या : 12

No. of Printed Pages : 4
मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

First Question Paper
प्रथम प्रश्न-पत्र
CIVIL LAW & PROCEDURE
व्यवहार विधि एवं प्रक्रिया

समय – 3:00 घण्टे
Time – 3:00 Hours

पूर्णांक – 100
Maximum Marks – 100

निर्देश :-

Instructions :-

1. All questions are compulsory. Answer to all the Questions must be given in one language either in Hindi or in English. In case of any ambiguity between English and Hindi version of any question, the English version shall prevail.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी एक भाषा में ही देने हैं। यदि किसी प्रश्न के अंग्रेजी और हिन्दी पाठ के बीच कोई संदिग्धता है, तो अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।
2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any Number or any mark of identification in any form or at any place of Answer Book that may be distinguished/ identified to the candidate from others, is strictly prohibited and shall in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.
उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।
3. Writing of answers must be clear & legible. If the writing on Answer Book is not clear or illegible in view of Valuer (s) then the valuation of such Answer Book may not be considered.
सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर-पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्ता के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो ऐसी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

P.T.O.

CONSTITUTION OF INDIA**भारत का संविधान**

1. Under what circumstances a State law may have prevalence in respect of a matter enumerated in Concurrent List, if its provisions are repugnant to the provisions of an earlier law made by Parliament or an existing law ? What does the expression "existing law" mean here ?

किन परिस्थितियों में समवर्ती सूची में उल्लिखित मामले के संबंध में राज्य का कानून अभिभावी होगा यदि उसके प्रावधान संसद द्वारा पहले से बनाई गई किसी विधि के प्रावधानों या किसी विद्यमान विधि के प्रतिकूल है ? यहाँ वाक्यांश "विद्यमान कानून" का क्या तात्पर्य है ?

8

2. What is the Constitutional validity of "criminal defamation" under Sections 499 and 500 of IPC ? Discuss the law.

भारतीय दण्ड संहिता की धारा 499 एवं 500 के तहत "आपराधिक मानहानि" की संवैधानिक वैधता क्या है ? विधि की व्याख्या करें।

8

CIVIL PROCEDURE CODE, 1908**सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908**

3. What procedure has been prescribed in Civil Procedure Code for the disposal of a suit in which a substantial question of law as to the interpretation of Constitution or as to the validity of any statutory instrument is involved ?

व्यवहार प्रक्रिया संहिता में ऐसे वाद जिनमें संविधान के निर्वचन या किसी कानूनी लिखत के विधिमान्यता संबंधी कोई सारभूत विधिप्रश्न अंतर्ग्रस्त है, क्या प्रक्रिया दी गयी है ?

8

4. Pendency of a criminal case on the same factual foundation, whether can be a ground to stay the trial of a civil suit under Section 10 of CPC ?

समान तथ्यों के आधार पर एक दण्डिक प्रकरण का लंबित होना क्या व्यवहार वाद के विचारण को धारा 10 सी.पी.सी. के तहत स्थगित करने का एक आधार हो सकता है ?

8

TRANSFER OF PROPERTY ACT, 1882

संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882

5. Define transfer of property and what remedies are available for a person who purchases property from Ostensible owner.

सम्पत्ति का हस्तांतरण परिभाषित करें एवं प्रकट स्वामी से सम्पत्ति खरीदने पर खरीददार को जो बचाव प्रदत्त हैं, की विवेचना करें । 8

6. Explain why a deed of family settlement is not a deed of transfer under the provisions of Transfer of Property Act.

कारण बताइये कि क्यों पारिवारिक व्यवस्था का लेख संपत्ति अंतरण अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत एक अंतरण विलेख नहीं है। 8

INDIAN CONTRACT ACT, 1872

भारतीय संविदा अधिनियम, 1872

7. Explain the rules relating to the devolution of liabilities and right of joint promisers and joint promisees in a contract ?

संयुक्त दायित्वों के न्यागमन से संबंधित नियम एवं संविदा के संयुक्त वचनदाता एवं वचनग्रहीता के अधिकारों की व्याख्या कीजिए ? 8

8. 'A' guarantees to 'B' the payment of a bill of exchange by 'C' the acceptor. The bill is dishonoured by 'C'. Explain the liability of 'A' in respect of amount of the bill, interest and charges which may have become due, with legal provisions.

'ख' को 'क' एक विनिमय पत्र के प्रतिग्रहीता 'ग' द्वारा संदाय की प्रत्याभूति देता है । विनिमय पत्र 'ग' द्वारा अनादृत किया जाता है । विनिमय पत्र की रकम, ब्याज और प्रभारों जो उस पर शोध्य हो गये हों, के संबंध में 'क' के दायित्व की व्याख्या विधिक प्रावधानों के सहित करें । 8

SPECIFIC RELIEF ACT, 1963

विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963

9. Whether denial of grant of specific performance on the ground of hardship is justified where defendant had not taken any such defence and such issue was also not framed ?

क्या कठिनाई के आधार पर संविदा के विनिर्दिष्ट अनुपालन की सहायता देने से इंकार किया जा सकता है, यदि प्रतिवादी ने ऐसा बचाव न लिया हो न इस संबंध में वादप्रश्न ही निर्मित हुआ हो ? 8

LIMITATION ACT, 1963
परिसीमा अधिनियम, 1963

10. Section 5 of Limitation Act allows extension of prescribed period of limitation in certain cases. 'A' files a suit for declaration of title after lapse of period of limitation. Discuss the applicability of this Section here. Is there any class of suit for which no period of limitation is prescribed ?

परिसीमा अधिनियम की धारा 5 कतिपय मामलों में परिसीमाकाल के विस्तार की अनुमति देती है। 'क' परिसीमाकाल के अवसान के उपरांत स्वत्व की घोषणा का वाद पेश करता है। यहाँ इस धारा की प्रायोज्यता की व्याख्या करें। क्या वाद का कोई ऐसा प्रवर्ग है जिसके लिए कोई परिसीमाकाल निर्धारित नहीं किया गया है ? 8

HINDU MARRIAGE ACT, 1955
हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955

11. To whom and in what conditions a Court may award permanent alimony under Section 25 of Hindu Marriage Act, 1955 ? How the features of this Section differ from those of Section 24 of Hindu Marriage Act ?

हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 25 के अंतर्गत किसे व किन परिस्थितियों में न्यायालय स्थायी निर्वाह भत्ता दिला सकती है ? इस धारा की विशेषताएं किस प्रकार हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 24 की विशेषताओं से अलग हैं ? 8

MIXED
मिश्रित

12. **Write Short-notes on: -**

6+6 = 12

1. Explain Doctrine of restitution under the Civil Procedure Code.
2. Right to privacy is a fundamental right.

संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :-

1. व्यवहार प्रक्रिया संहिता के तहत प्रत्यास्थापन के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए ।
2. निजता का अधिकार एक मौलिक अधिकार है ।
